

Isa

Chapter 23

Hindi Interlinear

Reference: Hindi Easy-to-Read Version

כְּתִים	מֵאַרְץ	מִבּוֹא	מִבֵּית	שָׂדֶה	כִּי-	תַרְשִׁישׁ	אֲנִיּוֹת	הִקְלִילוּ	צָר	מִשָּׂא	1
कित्तीम-के	देश-से	प्रवेश-से	भवन-से	नाश-हो-गया	क्योंकि-	तर्शीश-के	जहाज	विलाप-करो	सोर-का	भारी-वचन	
H3794	H0776	H0935		H7703		H8659	H0591	H3213	H6865		
									לְמוֹ:	נִקְלָה-	
									उनको	प्रकट-हुआ-	
										H1540	

सोर के विषय में दुःखद सन्देश: हे तर्शीश के जहाजों, दुःख मनाओ! तुम्हारा बन्दरगाह उजाड़ दिया गया है। (इन जहाजों पर जो लोग थे, उन्हें यह समाचार उस समय बताया गया था जब वे कित्तियों के देश से अपने रास्ते जा रहे थे।)

מְלֹאָה:	יָם	עֲבַר	צִדּוֹן	סַחַר	אֵי	יֹשְׁבֵי	רְמוֹ	2
भर-दिया-तुझे	समुद्र	पार-करने-वाला	सीदोन-के	व्यापारी	तट	रहने-वालो	चुप-रही	
H4390	H3220		H6721	H5503	H0339	H3427		

हे समुद्र के निकट रहने वाले लोगों, रुको और शोक मनाओ! हे, सीदोन के सौदागरों शोक मनाओ। सिदोन तेरे सन्देशवाहक समुद्र पार जाया करते थे। उन लोगों ने तुझे धन दौलत से भर दिया।

גּוֹיִם:	סַחַר	וְתָרִי	תְּבוּאָתָהּ	יָאֹר	קָצִיר	שִׁחֹר	זֶרַע	רְבִים	וּבְמֵי	3
जातियों-का	व्यापार	और-थी	उसकी-आमदनी	नील-की	कटनी	शिहोर-का	बीज	बहुत	और-पानी-पर	
	H5505	H1961	H8393	H2975		H7883	H2233		H4325	

वे लोग अनाज की तलाश में समुद्रों में यात्रा करते थे। सोर के वे लोग नील नदी के आसपास जो अनाज पैदा होता था, उसे मोल ले लिया करते थे और फिर उस अनाज को दूसरे देशों में बेचा करते थे।

תְּלִי	לֹא-	לְאִמֶּר	הָיָה	מַעֲוֹז	יָם	אָמַר	כִּי-	צִדּוֹן	בוֹשֵׁי	4
प्रसव-पीड़ा-झेली-में	नहीं-	यह-कहकर	समुद्र-की	गढ़	समुद्र-ने	कहा	क्योंकि-	सीदोन	लज्जित-हो	
	H3808	H0559	H3220	H4581	H3220	H0559		H6721	H0954	
			בְּתוֹלֹת:	רוֹמְמוֹתַי	בְּחוּרַיִם	גְּדֻלְתִּי	וְלֹא	יִלְדָתִי	וְלֹא-	
			कुंवारीयों-को	बड़ाया-मैंने	जवानों-को	पाला-मैंने	और-नहीं	जन्मा-मैंने	और-नहीं-	
			H1330		H0970	H1431	H3808	H3205	H3808	

हे सीदोन, तुझे शर्म आनी चाहिए। क्योंकि अब सागर और सागर का किला कहता है: मैं सन्तान रहित हूँ। मुझे प्रसव की वेदना का ज्ञान नहीं है। मैंने किसी बच्चे को जन्म नहीं दिया। मैंने युवती व युवक को पाल कर बड़े नहीं किया।

צָר:	כְּשָׁמַע	יְהִילוּ	לְמִצְרַיִם	שָׁמַע	כְּאֲשֶׁר-	5
सोर	सुनने-पर	काँपेंगे	मिस्र-को	सुना	जैसे-	
	H6865		H4714			

मिस्र सोर का समाचार सुनेगा और यह समाचार मिस्र को दुःख देगा।

אֵי:	יֹשְׁבֵי	הִקְלִילוּ	תַרְשִׁישָׁה	עֲבָרוּ	6
तट	रहने-वालो	विलाप-करो	तर्शीश-को	पार-जाओ	
	H0339	H3427	H3213	H8659	

तेरे जलयान तर्शीश को लौट जाने चाहिए। हे सागरतट वासियों! दुःख में डूब जाओ।

לְגֹר:	מִרְחֹק	רַגְלֵיךָ	יִבְלוּךָ	קִדְמֹתַי	קָדְמָן	מִימֵי-	עֲלִינָה	לְכֶם	הַזֹּאת	7
बसने-के-लिए	दूर	उसके-पैर	ले-जाएंगे-उसे	उसकी-शुरूआत	प्राचीन	दिनों-से-	उल्लासी	तुम्हारी	यही	
	H7350	H7272	H2986	H6927		H3117	H5947		H2063	

बीते दिनों में तुमने सोर नगर का रस लिया। यह नगरी शुरु से ही विकसित होती रही। उस नगर के कुछ लोग कहीं दूर बसने को चले गये।

8
 כְּנַעֲנִיָּה קְנָאָה עַל-זָר מִי
 उसके-कनानी हाकम व्यापारी जिसके मुकुट-पहनाने-वाली सोर के-विरुद्ध- यह ठाना किसने
 H8269 H5503 H6865 H2063 H3289 H4310

נִכְבְּרִי- אֶרֶץ:
 सम्मानित-के पृथ्वी-के
 H0776 H3513

सोर के नगर ने बहुत सारे नेता पैदा किये। वहाँ के व्यापारी राजपुत्रों के समान होते हैं और वे लोग वस्तुएँ खरीदते व बेचते हैं। वे हर कहीं आदर पाते हैं। सोर किसने सोर के विरुद्ध योजनाएँ रची हैं।

9
 כָּל- לְהַקְלֵל לְהַלְלֵל יַעֲצָה זְבָאוֹת יְהוָה
 सब- तुच्छ-करने-के-लिए सौन्दर्य-का सब- घमंड अपवित्र-करने-के-लिए ठाना-उसे सेनाओं-के यहोवा-ने
 H3605 H7043 H3605 H1347 H3289 H3068

נִכְבְּרִי- אֶרֶץ:
 सम्मानितों-के पृथ्वी-के
 H0776 H3513

हाँ, सर्वशक्तिमान यहोवा ने वे योजनाएँ बनायी थी। उसने ही उन्हें महत्वपूर्ण न बनाने का निश्चय किया था।

10
 עֲבָרִי אֶרֶץ- בֵּית- תַּרְשִׁישׁ אֵין מִנְחָ וְעוֹד:
 पार-जा तेरा-देश नील-की-तरह बेटी- तर्शीश नहीं-है और बंधन
 H5750 H0369 H8659 H1323 H2975 H0776

हे तर्शीश के जहाजो तुम अपने देश को लौट जाओ। तुम सागर को ऐसे पार करो जैसे वह छोटी सी नदी हो। कोई भी व्यक्ति अब तुम्हें नहीं रोकेगा।

11
 כְּנָעַן אֶל- צִנְהָ יְהוָה מִמְּלְכוֹת הַרְגִּיזִים הָיָה עַל- נֹטָה יָדוֹ
 कनान के-विषय-में- आज्ञा-दी यहोवा-ने राज्यों-को कपाया समुद्र पर- बढ़ाया अपना-हाथ
 H0413 H6680 H3068 H4467 H7264 H3220 H5186 H3027

לְשׂוֹמֵד מַעֲזוּבָה:
 नाश-करने-के-लिए उसके-गढ़ों-को
 H4581 H8045

यहोवा ने अपना हाथ सागर के ऊपर फैलाया है और राज्यों को कँपा दिया। यहोवा ने कनान (फिनिसियों) के बारे में आदेश दे दिया है कि उसके गढ़ियों को नष्ट कर दिया जाये।

12
 וַיֹּאמֶר לֹא- תוֹסִיפִי עוֹד לְעַלּוֹן הַמְּעֹשֶׂהָ בְּתוֹלָתָ בְּצִדּוֹן [כִּתְיִים]
 और जारी-रखेगी-तू और उल्लास-करना सताई-गई कुंवारी बेटी- सीदोन [कित्तीम]
 H5750 H3254 H3808 H0559 H1323 H11330 H6231 H5937 H6721 H3794

כְּתִימִים) קוֹמִי עֲבָרִי גַם- שָׁם לֹא- יָנוּחַ לְךָ:
 (कित्तीम) उठ पार-जा भी- वहाँ नहीं- आराम-होगी तुझे
 H5117 H3808 H8033 H1571 H3794

यहोवा कहता है, हे! सीदोन की कुँवारी पुत्री, तुझे नष्ट किया जायेगा। अब तू और अधिक आनन्द न मना पायेगी। किन्तु सोर के निवासी कहते हैं, "हमको कित्ती बचायेगा।" किन्तु यदि तुम सागर को पार कर कित्तीमजाओ वहाँ भी तुम चैन का स्थान नहीं पाओगे।

13
 וְהִנֵּה אֶרֶץ כַּשְׂדִּים זֶה הָעָם לֹא- הָיָה אֲשׁוּר- לְצִיִּים
 देखो देश कस्दीमों-का यह लोग नहीं- था अशशूर-ने जंगली-जनों-के-लिए
 H0776 H2005 H2088 H3778 H1961 H3808 H0804 H3245 H6728

הַקְּיָמוּ [בְּחִינֵין] עֲרָרָה אֲרָמְנוֹתֶיהָ שָׁמָּה לְמַפְלָה:
 खड़े-किए [उसके-गुम्बद] (उसके-गुम्बद) नंगा-किया उसके-महल बना-दिया-उसे खंडहर-के-लिए
 H0975 H0975 H6209 H0759

अतः सोर के निवासी कहा करते हैं, "बाबुल के लोग हम को बचायेंगे!" किन्तु तुम बाबुल के लोगों को धरती पर देखो। एक देश के रूप में आज बाबुल का कोई अस्तित्व नहीं है। बाबुल के ऊपर अशशूर ने चढ़ाई की और उस के चारों ओर बुर्जियाँ बनाई। सैनिकों ने सुन्दर घरों का सब धन लूट लिया। अशशूर ने बाबुल को जंगली पशुओं का घर बना दिया। उन्होंने बाबुल को खण्डहरों में बदल दिया।

14	הַיְלִילוּ	אֲנִיּוֹת	תְּרַשִּׁישׁ	כִּי	שָׁרָה	מְעֻזָּנוּ:	ס
	विलाप-करो	जहाज	तर्शाश-के	क्योंकि	नाश-हो-गया	तुम्हारा-गढ़	—
	H3213	H0591	H8659		H7703	H4581	

सो तर्शाश के जलयानों तुम विलाप करो। तुम्हारा सुरक्षा स्थान (सोर) नष्ट हो जायेगा।

15	וְהָיָה	בַּיּוֹם	הַהוּא	וְנִשְׁכַּחַת	צָר	שְׁבַעִים	שָׁנָה	כִּי־מִי	מֶלֶךְ	אֶחָד	מִקֵּץ
	और-होगा	दिन-में	उस	और-भुलाई-जाएगी	सोर	सत्तर	वर्ष	दिनों-जैसे	राजा	एक	अंत-में
	H1961	H3117	H1931	H7911	H6865	H7657	H8141	H3117	H4428	H0259	H7093

שְׁבַעִים	שָׁנָה	יְהִיָּה	לְצָר	כְּשִׁירַת	הַזֹּנוּגָה:
सत्तर	वर्ष-के	होगा	सोर-के-लिए	गीत-की-तरह	वेश्या-के
H7657	H8141	H1961	H6865		H2181

सत्तर वर्ष तक लोग सोर को भूल जायेंगे। (यह समय, किसी राजा के शासन काल के बराबर समय माना जाता था।) सत्तर वर्ष के बाद, सोर एक वेश्या के समान हो जायेगा। इस गीत में:

16	קָחוּ	כְּנֹר	סֻבִּי	עִיר	זֹנוּגָה	נִשְׁכַּחַתָּ	הַיְטִיבִי	נָגַן	הַרְבִּי-	שִׁיר	לְמַעַן
	ले	वीणा	घूम	नगर-में	वेश्या	भुलाई-गई	अच्छी-तरह-से-बजा	वादन	बहुत-कर-	गीत	ताकि
	H3947	H3658	H5437	H2181	H2181	H7911	H3190	H5059		H4616	

תּוֹכְרִי:
याद-की-जाए
[H2142](#)

“हे वेश्या! जिसे पुरुषों ने भुला दिया। तू अपनी वीणा उठा और इस नगर में घूम। तू अपने गीत को अच्छी तरह से बजा, तू अक्सर अपना गीत गाया कर। तभी तुझको लोग फिर से याद करेंगे।”

17	וְהָיָה	וּמִקֵּץ	שְׁבַעִים	שָׁנָה	יִפְקֹד	יְהוָה	אֶת-	צָר	וְשָׁבָה	לְאַתְנָנָה
	और-होगा	अंत-में	सत्तर	वर्ष-के	देखेगा	यहोवा	को-	सोर	और-लौटेगी	अपनी-मजदूरी-को
	H1961	H7093	H7657	H8141	H3068	H0853	H0865	H7725	H0868	

וְזָנְתָה	אֶת-	כָּל-	מְמֻלְכוֹת	הָאָרֶץ	עַל-	פְּנֵי	הָאָרֶץ:
और-वेश्यावृत्ति-करेगी	साथ-	सब-	राज्यों	पृथ्वी-के	पर-	सतह	भूमि-की
H2181	H0853	H3605	H4467	H0776	H6440	H0127	

सत्तर वर्ष के बाद, परमेश्वर सोर के विषय में फिर विचार करेगा और वह उसे एक निर्णय देगा। सोर में फिर से व्यापार होने लगेगा। धरती के सभी देशों के लिये सोर एक वेश्या के समान हो जायेगा।

18	וְהָיָה	סְחָרָה	וְאַתְנָנָה	קָרַשׁ	לְיְהוָה	לֹא	יֵאָצֵר	וְלֹא
	और-होगा	उसका-व्यापार	और-उसकी-मजदूरी	पवित्र	यहोवा-के-लिए	नहीं	जमा-किया-जाएगा	और-नहीं
	H1961	H5504	H0868	H6944	H3068	H3808	H0686	H3808

וְיִחְסַן	כִּי	לְיִשְׂרָאֵל	לְפָנָי	יְהוָה	יְהוָה	סְחָרָה	לְאַכֹּל	לְשִׁבְעָה
संचित-किया-जाएगा	क्योंकि	रहने-वालों-के-लिए	सामने	यहोवा-के	होगा	उसका-व्यापार	खाने-के-लिए	तृप्ति-के-लिए
H2630		H3427	H6440	H3068	H1961	H5504	H0398	H7654

וְלִמְכֹרָה:
और-कपड़े-के-लिए
— बहुमूल्य
[H6266](#) [H4374](#)

किन्तु सोर जिस धन को कमायेगा, उसको रख नहीं पायेगा। सोर का अपने व्यापार से हुआ लाभ यहोवा के लिये बचाकर रखा जायेगा। सोर उस लाभ को उन लोगों को दे देगा जो यहोवा की सेवा करते हैं। इसलिये यहोवा के सेवक भर पेट खाना खायेंगे और अच्छे कपड़े पहनेंगे।